बारां पत्रिका प्राइम

अंता . छबड़ा . अटरू . किशनगंज . मांगरोल . छीपाबड़ौद . शाहाबाद

श्रद्धा फाउंडेशन की मदद से हुआ मिलन

25 साल बाद परिवार से मिला तो आंखें हुई नम

पत्रिका ह्यूमन एंगल

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

कवाई. एक बार बिछुड़कर फिर से परिवार से मिलना, इस खुशी के अहसास की कल्पना नहीं की जा सकी। ऐसा ही कुछ मन्यागण निवासी रामप्रसाद माली के साथ हुआ। वो 25 वर्ष पहले अपने परिवार से बिछड़ गया था। इसे श्रद्धा फाउंडेशन की मदद से मंगलवार को परिवार से मिलाया गया। उसे देखकर परिवारजन के चेहरे भी खुशी से छलक उठे। श्रद्धा फाउंडेशन अनाथ और बेसहारा मनोरोगियों का संस्था में इलाज करके उन्हें परिजन तक पहुंचाता है। इसी तरह राम प्रसाद उर्फ भगवान माली पुत्र रामगोपाल माली निवासी मन्यागण भी अपने परिजन से मिल गया।

यह है रामप्रसाद की कहानी

रामप्रसाद 25 वर्ष पूर्व भटकते-भटकते केरल पहुंच गया था। वहां की संस्था ने उसे 2019 में अपने संस्थान में भर्ती किया और फिर इलाज और पुनर्वास के लिए श्रद्धा फाउंडेशन कर्जत मुंबई भेज दिया। वहां उसका इलाज हुआ, जब धीरे धीरे इसकी मानसिक स्थिति में सुधार आया तो अपना पता बताया। इस पर सोशल वर्कर राकेश कुमावत ने राष्ट्रीय मानवाधिकार एंड एंटी करप्शन मिशन के शमशाद खान रंगीला से संपर्क किया। उन्होंने अटरू में संपर्क किया। शमशाद खान और श्रद्धा फाउंडेशन टीम के प्रयास से रामप्रसाद सकुशल अपने घर पहुंच सका। संस्था के सोशल वर्कर राजदीप मंगलवार को उसे लेकर आए और मन्यागण लेकर पहुंचे। उसे देख रामप्रसाद के परिवार व ग्रामीणों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। रामप्रसाद के भाई ने बताया कि रामप्रसाद की मानसिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण वो 25 वर्ष पहले घर से लापता हो गया था। काफी जगह खोजा पर वो नहीं मिला।

कवाई मन्यागण गांव में परिजन व ग्रामीणों के बीच रामप्रसाद माली